शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
धरमपुरा–2, जगदलपुर, जिला–बस्तर, छत्तीसगढ़, भारत पिनकोड 494001
Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar
Dharampura-2, Jagdalpur, Dist.-Bastar, Chhattisgarh, India, Pin code 494001
Telephone 07782-229037, Fax 07782-229037 Website: www.bvvjdp.ac.in

क्रमांक / 001 / अका. / पाठ्यक्रम / 2023 जगदलपुर, दिनांक 03 / 01 / 2023

/ / अधिसूचना / /

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर के विद्यापरिषद की बैठक दिनांक 11.07.2022 एवं कार्यपरिषद की 40वीं बैठक दिनांक 14.07.2022 में लिये गये निर्णयानुसार विश्वविद्यालय से संबद्ध समस्त महाविद्यालयों में संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संशोधित सिलेबस सत्र 2022–23 से लागू किया जाता है :–

क्रमांक	विषय / पाठ्यक्रम का नाम	परीक्षा प्रणाली
1	एम.ए. हिन्दी	वार्षिक परीक्षा प्रणाली
2	एम.ए. अंग्रेजी	वार्षिक परीक्षा प्रणाली
3	एम.कॉम. वाणिज्य	वार्षिक परीक्षा प्रणाली

उपरोक्त पाठ्यक्रमों को छोड़कर अन्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूर्ववत यथावत रहेंगे।

for **कुलसचिव**
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
जगदलपुर, जिला–बस्तर (छ.ग.)

पृ. क्रमांक / 002 / अका. / पाठ्यक्रम / 2023 जगदलपुर, दिनांक 03 / 01 / 2023

प्रतिलिपिः–

1. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति के सचिव, राजभवन, रायपुर
2. सचिव छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर
3. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर
4. माननीय कुलपति महोदय, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर
5. क्षेत्रीय अपर संचालक, उच्च शिक्षा, शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर
6. समस्त प्राचार्य, संबद्ध समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर
7. समस्त विभाग प्रमुख / विभागाध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर

– की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

02.01.23

सहायक कुलसचिव (अकादमिक)
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
जगदलपुर, जिला–बस्तर (छ.ग.)

शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)

**SHAHEED MAHENDRA KARMA VISHWAVIDYALAYA, BASTAR
JAGDALPUR, CHHATTISGARH**

SYLLABUS

M.A. (Previous) Hindi

M.A. (Final) Hindi

(Annual Examination Pattern)

Session 2022-23

21/11/2022
B.O.S. S.M.K. university Bastar Jagdalpur (C.G.)

(डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला)

Syllabus, Course Structure and Scheme of Examination of

M.A. HINDI
(Previous and Final)

2 Year Postgraduate Degree Programme/Course
(ANNUAL EXAMINATION PATTERN)
FOR NON-COLLEGIATE EXAMINESS ONLY
Under the Faculty of Arts
For Affiliated Colleges of Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar, Jagdalpur

एम.ए. (पूर्व) हिन्दी
M.A. (Previous) Hindi

Paper No.	Title of Papers	Max. marks	Minimum Passing marks
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास	100	36
II	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	100	36
III	आधुनिक हिन्दी काव्य	100	36
IV	आधुनिक गद्य साहित्य	100	36
V	जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़)	100	36
	Total	500	

एम.ए. (अंतिम) हिन्दी
M.A. (Final) Hindi

Paper No.	Title of Papers	Max. marks	Minimum Passing marks
I	काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन	100	36
II	भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा	100	36
III	प्रयोजनमूलक हिन्दी	100	36
IV	भारतीय साहित्य	100	36
V	पत्रकारिता प्रशिक्षण	100	36
	Total	500	
	Grand Total 500 + 500 =	1000	

एम.ए. (पूर्व) हिन्दी
M.A. (Previous) Hindi
प्रश्नपत्र – प्रथम
Paper-I
हिन्दी साहित्य का इतिहास

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

प्रस्तावना – किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहां के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा–परखा जा सकता है।

हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्यविषय

इकाई–1
इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास।
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।
हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण।
हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य।
हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई–2
पूर्व–मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति–आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य।
प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्णेश्वर काव्य, भक्तीतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य–साहित्य।

इकाई–3
उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संरक्षित लक्षण–ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, और रीमिमुक्त) प्रवृत्तियों और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ। रीतिकालीन गद्य–साहित्य।
आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
भारतेंदु–युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
द्विवेदी–युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
हिन्दी स्वच्छदतावादी चेतना का परवर्ती विकास–छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई–4
उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता।
प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, *संस्मरण*, रेखाचित्र, जीवनी, *आत्मकथा, रिपोर्ताज*, आदि) का विकास।
हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास।
दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य।

डा. योगेन्द्र मोतीवाला

अंक विभाजन :–

1.	4 आलोचनात्मक प्रश्न	4×15	= 60 अंक
2.	5 लघुत्तरीय प्रश्न	5×4	= 20 अंक
3.	20 लघुत्तरीय प्रश्न	20×1	= 20 अंक
		कुल	**= 100 अंक**

संदर्भ ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – बाबू गुलाबराय
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रमाशंकर शुक्ल रसाल
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शुक्ल
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
9. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास – चतुरसेन शास्त्री
10. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – देवीशरण रस्तोगी
11. हिन्दी साहित्य और उसका विकास – प्रेमलता अग्रवाल
12. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – श्यामसुंदर दास एवं नंददुलारे वाजपेयी
13. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – डॉ. सूर्यकांत शास्त्री
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास – हृदयेश मिश्र
15. हिन्दी साहित्य युग और धार–कृष्ण नारायण प्रसाद 'मागध'
16. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर
17. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभ (18 भाग)
18. हिन्दी साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी
19. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
20. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त भाग 1 एवं 2
21. *हिन्दी साहित्य के इतिहास का अनुसंधान परक अध्ययन : डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन*

Dr. R. P. Tal...

योगेन्द्र
[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

एम.ए. (पूर्व) हिन्दी

M.A. (Previous) Hindi

प्रश्नपत्र – द्वितीय

Paper-II

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

उद्देश्य एवं प्रस्तावना –

हिन्दी के आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि में अपभ्रंश के अवदान को पूरी तरह समेटे हुए हैं। प्रबंध, मुक्तक आदि काव्य रूपों में रचित और अप्रभंश एवं देशी भाषा में अभिव्यंजित आदिकालीन साहित्य की परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय एवं सक्षम भूमिका रही है। इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन संभव नहीं है। पूर्व–मध्यकालीन काव्य (भक्तिकालीन) लोक–जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखा है। उत्तर–मध्यकालीन (रीतिकाल) काव्य अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और गुण की धड़कनों को समग्रता में समझने के लिये अनिवार्य है।

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जाएगा –

1. बीसल देव रासो : नरपति नाल्ह
2. विद्यापति : विद्यापति पदावली–संपा. रामवृक्ष बेनपुरी (प्रारंभिक 25 पद)
3. कबीर ग्रंथावली : संपा. डॉ. श्यामसुंदर दास (100 साखियाँ तथा 25 पद)
4. साखियाँ : गुरूदेव की अंग – 1 से 20, सुमिरण कौ अंग–1 से 10, बिरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान बिरह कौ अंग – 1 से 10, परचा कौ अंग 1 से 10, रस कौ अंग, 1 से 5 निहकर्मी पतिव्रता 1 से 10, चितावणी – 1 से 10, माया–1 से 5, काल कौ अंग – 1 से 10 तक
5. पद संख्याः 11, 16, 24, 26, 27, 40, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 79, 89, 93, 98, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 268 = (25 पद)
4. सूरदास : भ्रमर गीत सार–संपा, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (50पद)
5. तुलसीदास : अयोध्याकांड प्रथम–25 दोहा चौपाई
6. बिहारी : बिहारी रत्नाकर–संपा. जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)
7. प्रेरणापुंज यशोधरा : चन्द्रभान चन्द्र

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 10 कवियों की रचनाओं का ज्ञान, भावगत, शिल्पगत विशेषताएँ, कालगत प्रवृत्तियों एवं कवि का परिचय जानना आवश्यक है। इन 10 कवियों पर 5 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगेः–

1. नन्ददास, 2. दादू, 3. मीराबाई, 4. रैदास, 5. रहीम, 6. रसखान, 7. *केशव, 8. देव, 9. भूषण,* 10. पद्माकर

इकाई विभाजन –

इकाई–1	व्याख्याता
इकाई–2	*नरपतिनाल्ह, विद्यापति एवं कबीर*
इकाई–3	सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, चंद्रभान चंद्र एवं प्रेरणापुंज यशोधरा
इकाई–4	द्रुतपाठ के 10 कवि

अंक विभाजन –

▪ 3 व्याख्याता	3×10	=30 अंक
▪ 02 आलोचनात्मक प्रश्न	2×15	=30 अंक
▪ 05 लघु उत्तरीय प्रश्न	5×4	=20 अंक
▪ 20 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न	20×1	=20 अंक
	कुल	**–100 अंक**

योगेन्द्र
(डा योगेन्द्र मोतीवाला)

सहायक पुस्तकें :–

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का आदिकाल	–	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.	चन्दरबाई	–	डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी
4.	विद्यापति	–	जयनाथ नलिन
5.	महाकवि विद्यापति	–	डॉ. कृष्णानंद पीयूष
6.	कबीर का रहस्यवाद	–	डॉ. रामकुमार वर्मा
7.	कबीर साहित्य की परख	–	परशुराम चतुर्वेदी
8.	संत धर्मदास : कबीर पंथ के प्रवर्तक	–	डॉ. सत्यभाभा आडिल
9.	कृष्ण काव्य और सूर	–	डॉ. प्रेमशंकर
10.	सूरदास काव्य का मूल्यांकन	–	डॉ. रामरतन भटनागर
11.	सूर साहित्य	–	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
12.	सूरदास	–	डॉ. हरवंश लाल वर्मा
13.	महाकवि तुलसी दास और उनका युग संदर्भ	–	डॉ. भगीरथ मिश्र
14.	तुलसी दर्शन	–	डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
15.	बिहारी का मूल्यांकन	–	डॉ. बच्चन सिंह
16.	मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी	–	डॉ. रामसागर त्रिपाठी
17.	रीति स्वछन्द काव्य धारा	–	डॉ. कृष्णचन्द्र वर्मा
18.	मध्यकालीन हिन्दी काव्यधारा	–	डॉ. रामस्वरूप मिश्र
19.	भक्तिकाव्य और लोकजीवन	–	डॉ. शिव कुमार मिश्र
20.	घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा	–	डॉ. मोहन लाल गौड़
21.	कबीर	–	सं महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाश–दुर्ग
22.	कबीर	–	डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
23.	प्रमुख प्राचीन कवि	–	डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
24.	हिन्दी साहित्य के इतिहास का अनुसंधान परक अध्ययन	–	डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

एम.ए. (पूर्व) हिन्दी

M.A. (Previous) Hindi

प्रश्नपत्र – तृतीय

Paper-III

आधुनिक हिन्दी काव्य

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

उद्देश्य एवं प्रस्तावना :–

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवीं सदी के उत्तराद्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्ति हुई है। मुकम्मल मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। विविध धाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्त्रोत है। इस प्रश्न पत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जाएगा –

पाठ्य विषय :–

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिन्ता, *श्रद्धा इड़ा सर्ग)*
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : ***राम की शक्ति पूजा,*** सरोज स्मृति एवं कुकुरमुत्ता
4. महादेवी वर्मा : (1) ***प्रिय सांध्य गगन*** (2) मैं नीरभरी दुःख की बदली (3) *पंथ होने दो अपरिचित प्राण* ***रहने दो अकेला*** (4) दूर गया वह निर्मम दर्पण (5) यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो (6) रूपसी तेरा धन केश पाश।
5. अज्ञेय : (1) नदी के द्वीप (2) असाध्य वीणा (3) बावरा अहेरी (4) *सोन मछली* (5) आंगन के चार (6) कितनी नावों में कितनी बार (7) सत्य तो बहतु मिले (8) एक सन्नाटा बुनता हूँ (9) *हमने पाधों से* ***कहा (10) सागर मुद्रा***
6. मुक्तिबोध : अंधेर में
7. नागार्जुन : (1) बादल को घिरते देखा है, (2) **सिन्दूर** *तिलकित भाल,* (3) बसन्त की अगवानी, (4) ***कोई आए तुमसे सीखे,*** (5) ***शिशिर विषकन्या,*** (6) तो फिर क्या हुआ, (7) यह तुम थीं (8) कोयल आज बोली है, (9) अकाल और उसके बाद (10) शासन की बन्दूक।

द्रुतपाठ हेतु निम्नांकित 10 कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से किन्हीं 5 कवियों पर लघूउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे –

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध 2. हरिवंशराय बच्चन 3. केदार नाथ अग्रवाल 4. भवानी प्रसाद मिश्र 5. शमशेर बहादूर सिंह 6. त्रिलोचन 7. रघुवीर सहाय 8. धूमिल 9. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 10. दुष्यंत कुमार

पाठ्य पुस्तकें : –

आधुनिक काव्य संकलन : डॉ. सत्यभाभा ऑडिल

इकाई विभाजन–

इकाई–1	व्याख्या
इकाई–2	गुप्त, प्रसाद व निराला
इकाई–3	महादेवी वर्मा, अज्ञेय, मुक्तिबोध एवं नागार्जुन
इकाई–4	द्रुतपाठ के 10 कवि
इकाई–5	वस्तुनिष्ठ (सभी पाठ्यपुस्तकों से)

अंक विभाजन–

▪ 3	व्याख्याता	3×10	=30 अंक
▪ 2	आलोचनात्मक प्रश्न	2×15	=30 अंक
▪ 5	अति लघु उत्तरीय प्रश्न	5×4	=20 अंक
▪ 20	वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न	20×1	=20 अंक
		कुल	**=100 अंक**

डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला

Dr. R.P. Tude

सहायक पुस्तकें

1.	साकेत एक अध्ययन	–	डॉ. नगेन्द्र
2.	प्रसाद का काव्य	–	डॉ. प्रेमशंकर
3.	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	–	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
4.	कामायनी एक पुनर्विचार	–	मुक्तिबोध
5.	कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ	–	डॉ. नगेन्द्र
6.	कवि निराला	–	आचार्य नंद दुलारे बाजपेयी
7.	निराला की साहित्य साधना	–	डॉ. रामविलास शर्मा
8.	कवि दृष्टि	–	रामस्वरूप चतुर्वेदी
9.	नयी कविता की पहचान	–	डॉ. राजेन्द्र मिश्र
10.	हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य	–	अज्ञेय
11.	नया साहित्य : नये प्रश्न	–	आचार्य नंददुलारे बाजपेयी
12.	हिन्दी साहित्य सम्मेलन का प्रकार	–	विवरणिका
13.	स्मृति लेखा	–	स.ही. वात्स्यायन
14.	कामायनी–मिथक और स्वप्न	–	रमेश कुंतल मेंघ
15.	फिलहाल	–	डॉ. अशोक बाजपेयी
16.	अज्ञेय का रचना संसार	–	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
17.	कविता की तीसरी आँख	–	डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
18.	कविता से साक्षात्कार	–	मलयज
19.	कविता का गल्प	–	डॉ. अशोक बाजपेयी
20.	शमशेर बहादूर सिंह	–	डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
21.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
22.	निराला काव्य पुनर्मूल्यांकन	–	डॉ. धनंजय वर्मा
23.	समकालीन हिन्दी कविता	–	रमेश अनुपम
24.	आधुनिक हिन्दी काव्य	–	डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
25.	परम अभिव्यक्ति की खोज (मुक्तिबोध के काव्य का पुनर्मूल्यांकन)	–	डॉ. धनंजय वर्मा
26.	हिन्दी साहित्य के इतिहास का अनुसंधान परक अध्ययन	–	डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला

एम.ए. (पूर्व) हिन्दी

M.A. (Previous) Hindi

प्रश्नपत्र –चतुर्थ

Paper-IV

आधुनिक गद्य साहित्य

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

उद्देश्य एवं प्रस्तावना –

आधुनिक काल में गद्य–साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव–मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मुनष्य का राग–विराग, (तक–वितर्क) तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है, वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़–मन मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़ शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी, तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश परिस्थिति तथा चिंतन की विकास–प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है। इस प्रश्नपत्र में 2 नाटक, 2 उपन्यास, 7 निबंध, 7 कहानियाँ एवं 1 चरितात्मक कृति पठनीय है।

पाठ्य विषय :–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित :

1. ध्रुवस्वामिनी (जयशंकर प्रसाद)
2. आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)
3. गोदान (प्रेमचंद)
4. ***मित्रो मरजानी (कृष्णा सोबती)***
5. निबंध–

1.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	–	कविता क्या है ?
2.	*आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी*	–	*भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति*
3.	*रामवृक्ष बेनीपुरी*	–	*माटी की मूरतें*
4.	कुबेरनाथ राय	–	हरी हरी दूब और लाचार क्रोध
5.	*विद्यानिवास मिश्र*	–	*चन्द्रमा मनसो जातः*
6.	हरिशंकर परसाई	–	वैष्णव की फिसलन

6. कहानी –

1.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	–	उसने कहा था
2.	जयशंकर प्रसाद	–	पुरस्कार
3.	प्रेमचंद	–	सुजान भारत
4.	*राजेन्द्र यादव*	–	*छोटे–छोटे ताजमहल*
5.	कृष्णा सोबती	–	बादलों के घेरे
6.	उषा प्रियंवदा	–	वापसी
7.	यशपाल	–	मक्रील

7. चरितात्मक कथा –
   विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा

द्रुतपाठ हेतु 5 नाटककार, 5 उपन्यासकार, 5 निबंधकार, 5 कहानीकार और 1 स्फुट गद्य विधाओं के रचनाकार रखे गए हैं। इनमें प्रत्येक विधा से संबंधित 1–1 लघूउत्तरी प्रश्न पूछा जाएगा

नाटककार – 1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र 2. डॉ. रामकुमार वर्मा 3. भुवनेश्वर 4. जगदीशचन्द्र माथुर, 5. उपेन्द्रनाथ अश्क

उपन्यासकार– 1. राहुल सांस्कृत्यायन 2. यशपाल 3. अमृतलाल नागर 4. भीष्म साहनी 5. मन्नू भण्डारी

निबंधकार – 1. प्रतापनारायण मिश्र 2. सरदार पूर्णसिंह 3.बालमुकुन्द गुप्त 4. शिवपूजन सहाय 5. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

कहानीकार – 1. पांडेय वेचन शर्मा उग्र 2. रांगेय राघव 3. फणीश्वरनाथ रेणु 4. शिव प्रसाद मिश्र 5. अमरकाल

स्फुट ग्रंथ – 1. हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ)

इकाई विभाजन

इकाई–1	व्याख्या
इकाई–2	ध्रुवस्वामिनी, आषाढ़ का एक दिन, गोदान मित्रो मरजानी (कृष्णा सोबती)
इकाई–3	निबंध, कहानी एवं चरितात्मक कथा आवारा मसीहा
इकाई–4	द्रुतपाठ के 21 रचनाकार
इकाई–5	वस्तुनिष्ठ (सभी पाठ्यपुस्तकों से)

अंक–विभाजन –

▪ 3 व्याख्याता	3×10	=30 अंक
▪ 2 आलोचनात्मक प्रश्न	2×15	=30 अंक
▪ 5 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	5×4	=20 अंक
▪ 20 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न	20×1	=20 अंक
	कुल	**=100 अंक**

सहायक पुस्तकें –

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन – डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुर्नमूल्यांकन – डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र दृष्टि – डॉ. जयदेव तनेजा
5. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार
6. प्रेमचंद और उसका युग – डॉ. रामविलास शर्मा
7. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. गोपाल राय
8. कहानी नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह
9. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
10. शांति निकेतन से शिवालिक – डॉ. शिवप्रसाद सिंह
11. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सं. विश्वविनाथ तिवारी
12. कहानी, संवेदना और धरातल – राजेन्द्र यादव
13. कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु – चंद्रभान सोनवणे
14. हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में जीवन सत्य – डॉ. इंदुप्रकाश पाण्डेय
15. हिन्दी उपन्यासों में आंचलिकता की प्रवृत्ति – डॉ. के वुड़के
16. हिन्दी कहानी का रचना शास्त्र – डॉ. धनंजय वर्मा
17. हिन्दी कहानी का सफरनामा – डॉ. धनंजय वर्मा
18. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
19. रंग–दर्शन – नेमिचंद जैन
20. समकालीन उपन्यासों में व्यक्त नारी यातना – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

[डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला]

एम.ए. (पूर्व) हिन्दी

M.A. (Previous) Hindi

प्रश्नपत्र – पंचम

Paper-V

जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

उद्देश्य और प्रस्तावना –

हिन्दी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य सृजन किया जा रहा है। प्राचीन साहित्य तो मुख्यतः विभाषाओं में ही प्राप्त है। इनका पृथक अध्ययन कराने से इन विभाषाओं का उत्तरोत्तर विकास होगा। इस प्रश्न पत्र में क्षेत्रीय/जनपदीय भाषा में रचित अर्वाचीन साहित्य का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्य विषय –

1. **अ. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण –**
   (भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषा का इतिहास, व्याकरण के अंग – उपांय)
   ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास

2. **छत्तीसगढ़ी संत परंपरा के लोक एवं निर्गुण ज्ञानी छत्तीसगढ़ी कविता एवं कविः (व्याख्या एवं विवेचना)**
   1. **छत्तीसगढ के प्रथम संत गुरू घासीदास के चार पद एवं वाणी**
      1. सतनाम सार
      2. ये माटी के काया ये माटी के चोला
      3. अपन घट ही के देवता ला मनाबो
      4. सतनाम ले ला हो

   (1) सुंदर लाल शर्मा
   (2) मुकुटधर पाण्डेय
   (3) द्वारिका प्रसाद विप्र
   (4) कुंज बिहारी चौबे
   (5) कपिल नाथ कश्यप
   (6) श्यामलाल चतुर्वेदी
   (7) गिरिवर दास वैष्णव
   (8) हरि ठाकुर
   (9) नारायण लाल परमार
   (10) भगवती लाल सेन
   (11) डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

3. **छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार – (व्याख्या एवं विवेचना)**
   (1) सतवंतिन सुकवारा (श्याल लाल चतुर्वेदी)
   (2) सुवा हमर संगवारी (लखन लाल गुप्त)
   (3) गोरसी के गोठ (डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा)
   (4) आँसू में फिले अचरा (केयूर भूषण)
   (5) रमिया अउ केतकी (डॉ. सत्यभामा आडिल)
   (6) कउवा, कबूतर अउ मनखे (परमानंद वर्मा)
   (7) गाय न गरू, सुख होय हरू (लक्ष्मण मस्तुरिहा)
   (8) फिरंतिन (मौसी दाई) – (शिवशंकर शुक्ल)

4. **छत्तीसगढ़ी नाटक एवं एकांकी – (व्याख्या एवं विवेचना)**
   (1) करमछड़हा (नाटक) – डॉ. खूबचंद बघेल
   (2) परेमा (एकांकी) – नन्द किशोर तिवारी
   (3) सउत के डर (एकांकी) – टिकेन्द्र टिकरिहा

5. **उपन्यास – (व्याख्या एवं विवेचना)**
   (1) आवा – परदेशीराम वर्मा
   (2) चन्द्रकला – डॉ. जे.आर. सोनी

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से किन्हीं पाँच पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे।

(1) नरसिंह दास	(2) शुकलाल प्रसाद पाण्डेय	(3) लोचन प्रसाद पाण्डेय
(4) कपिलनाथ मिश्र	(5) प्यारेलाल गुप्ता	(6) लाल जगदलपुरी
(7) लखनलाल शर्मा	(8) कोदूराम दलित	*(9) डॉ. बल्देव*
(10) दानेश्वर शर्मा	*(11) पवन दीवान*	*(12) जीवन यदु*
(13) ऊधोराम झखमार	(14) बद्रीबिशाल परमानन्द	

इकाई विभाजन

इकाई–1	व्याख्या (01 कविता, 01 गद्यकथा, 01 नाटक एवं उपन्यास)
इकाई–2	छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार
इकाई–3	छत्तीसगढ़ी नाटक, एकांकी एवं आवा चन्द्रकला (उपन्यास)
इकाई–4	द्रुतपाठ के रचनाकार व छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास (आमुख)
इकाई–5	भाषा एवं व्याकरण (वस्तुनिष्ठ)

पाठ्यपुस्तक छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य संपादक – डॉ. सत्यभाभा आड़िल

अंक विभाजन –

▪ 3 व्याख्याता	3×10	=30 अंक
▪ 2 आलोचनात्मक प्रश्न	2×15	=30 अंक
▪ 5 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	5×4	=20 अंक
▪ 20 वस्तुनिष्ठ/अति लघुउत्तरीय प्रश्न	20×1	=20 अंक
	कुल	**=100 अंक**

सहायक पुस्तकें –

1. छत्तीसगढ़ी का उद्‌विकास	–	डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश	–	डॉ. कांतिकुमार
3. छत्तीसगढ़ी, हलबी, भतरी भाषाओं का भाषावैज्ञानिक	–	भालचंद्रराव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी परिचय	–	डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
5. खूब तमाशा	–	गोपाल प्रसाद मिश्र
6. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन	–	दयाशंकर शुक्ल
7. ए. ग्रामर ऑफ छत्तीसगढ़ डायलेक्ट	–	हीरालाल काव्योपाध्याय
8. स्व. लोचन प्रसाद पाण्डेय	–	प्यारेलाल गुप्त
9. संत गुरू घासीदास जी के चार पद और बयालीस अमृतवाणी	–	डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन
10. छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन	–	डॉ. शंकर शेष
11. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली	–	प्यारेलाल गुप्त
12. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन	–	नंदकिशोर तिवारी
13. झॉपी	–	जमुना प्रसाद कुमार
14. छत्तीसढ़ी लोकसाहित्य और भाषा	–	डॉ. बिहारीलाल साहू
15. पैदल जिंदगी का कवि	–	डॉ. डुमन लाल ध्रुव
16. गोंठ	–	डॉ. सत्यभाभ आड़िल
17. अपूर्वा	–	डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा
18. पुतरा पुतरी के बिहाव	–	परदेसीराम वर्मा
19. दुवारी	–	प्रदीप कुमार वर्मा
20. रत्ना	–	परसनाथ देवांगन
21. छत्तीसगढ़ी के सुराजी	–	सुशील यदु
22. संत धर्मदास	–	डॉ. सत्यभामा आड़िल
23. पिंवरी लिखे तोर भाग	–	बद्रीविशाल परमानंद
24. लोकरंग 1,2	–	संपादक सुशील यदु
25. सोन चिरइया	–	हेमनाथ यदु
26. हमर छत्तीसगढ़	–	सं. महावीर अग्रवाल

27. कौशल्यानंदन (छत्तीसगढ़ी अनुवाद) – प्रभंजन शास्त्री
28. ऋतुसंहार (छत्तीसगढ़ी अनुवाद) – रसिक बिहारी अवधिया
29. ररूहा सपनाय दारभात – उधोराम झखभार
30. छत्तीसगढ़ी गजल – मुकुन्द कौशल
31. खोरबाहरा तोला गांधी बनाबो – डॉ. राजेन्द्र सोनी
32. चोर ले जादा मोटरा अलवाईन – डॉ. राजेन्द्र सोनी
33. छत्तीसगढ़ हाइकू – डॉ. राजेन्द्र सोनी
34. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियाँ और जनजीवन – डॉ. अनसूया अग्रवाल

छत्तीसगढ़ी शब्दकोश –

1. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश – डॉ. पालेश्वर शर्मा
2. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश – डॉ. चन्द्रकुमार चन्द्राकर
3. छत्तीसगढ़ी भाषा, वियाकरण अउ कोस – मंगत रवीन्द्र
4. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश – रमेश चन्द्र महरोत्रा एवं अन्य
5. छत्तीसगढ़ी व्यवहारिक शब्दकोश – डॉ. सत्यभामा आड़िल
6. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश – रमेश चन्द्र महरोत्रा एवं अन्य

पत्र – पत्रिकाएँ –

1. लोकाक्षर – छत्तीसगढ़ी त्रैमासिक पत्रिका, बिलासपुर
2. छत्तीसगढ़ी सेवक – साप्ताहिक छत्तीसगढ़ी पत्र, सं. जागेश्वर प्रसाद
3. देशबंधु का साप्ताहिक मड़ई अंक – सं. सुधा वर्मा
4. काहे रे नलिनी तू कुम्हलानी – वार्षिक पत्रिका, सं. परदेशीराम वर्मा
5. धरोहर (मासिक पत्रिका) – सं. दुर्गा प्रसाद पारकर

04-07-2022

एम.ए. (अंतिम) हिन्दी

M.A. (Final) Hindi

प्रश्नपत्र - प्रथम

Paper-I

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

प्रस्तावना –

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यलोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है। वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। सामाजिक – सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जॉचने – परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिन्दी के निजी साहित्यालोचन का अध्ययन समीचीन है।

पाठ्यविषय

इकाई –1 संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
- रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
- अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापलाऍ, अलंकारों का वर्गीकरण।
- रीति की सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाऍ
- वक्रोक्ति – सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- *ध्वनि – सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि – सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाऍ, ध्वनि–काव्य के प्रमुख पद भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र–काव्य*
- *औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाऍ, औचित्य के भेद*

इकाई – 2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र
- प्लेटो : काव्य सिद्धांत।
- अरस्तू : अनुकरण – सिद्धांत, त्रासदी – विवेचन।
- लोंजाइनस : उदत्त की अवधारणा।
- मैथ्यू ऑर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
- *आई.ए.रिचड्र्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।*
- कॉलरिज
- *टी. एस. इलियट*

इकाई – 3 (क) हिन्दी कवि – आचार्य का काव्यशास्त्रीय, चिंतन, लक्षण, काव्य परंपरा एवं काव्य शिक्षा – *(1) केशवदास,* (2) देव, (3) रामचन्द्र शुक्ल, (4) नंददुलारे बाजपेयी, *(5) डॉ. रामविलास शर्मा।*

(ख) हिन्दी आलोनचना की प्रमुख पवृत्तियॉ :
- शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

(ग) व्यावहारिक समीक्षा, काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्याख्या।

इकाई –4 सिद्धांत और वाद: अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मॉर्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्व वादी

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**
1.	संस्कृत काव्यशास्त्र	15 अंक
2.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	15 अंक
3.	(क) हिन्दी कवि आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन (ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ (ग) व्यवहारिक समीक्षा	15 अंक

4.	सिद्धांत और वाद्	15 अंक
5.	5 लघूत्तरीय प्रश्न	20 अंक
6.	20 वस्तुनिष्ठ / अति लघु उत्तरीय प्रश्न	20 अंक
		कुल = 100 अंक

संदर्भ ग्रन्थ

1.	साहित्य के प्रमुख पक्ष	–	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
2.	रस सिद्धांत	–	डॉ. नगेन्द्र
3.	रीति काव्य की भूमिका	–	डॉ. नगेन्द्र
4.	भारतीय काव्यशास्त्री	–	डॉ. उदयभान सिंह
5.	हिन्दी की सामाजिक समीक्षा	–	डॉ. रामाधार शर्मा
6.	हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ	–	डॉ. राजेश्वर खण्डेलवाल
7.	समीक्षा के प्रतिमान	–	डॉ. निर्मला जैन
8.	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	–	डॉ. विजय बहादुर सिंह
9.	पाश्चत्य समीक्षा के मानदंड	–	प्रो. प्रमोद वर्मा
10.	भारतीय और पाश्चात्य समीक्षा	–	डॉ. गणेश खरे
11.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	–	डॉ. शिव कुमार मिश्र
12.	आलोचना के नये मान	–	कर्ण सिंह चौहान
13.	कला की कसौटी	–	निर्मला वर्मा
14.	यथार्थवाद	–	डॉ. शिव कुमार मिश्रा
15.	दूसरी परम्परा की खोज	–	डॉ. नामवर सिंह
16.	समीक्षा के प्रतिमान	–	डॉ. गंगाचरण त्रिपाठी
17.	नया साहित्य नये प्रश्न	–	आचार्य नंद दुलारे बाजपेयी
18.	भारतीय साहित्यः एक शोधात्मक अध्ययन	–	डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

एम.ए. (अंतिम) हिन्दी
M.A. (Final) Hindi
प्रश्नपत्र – द्वितीय
Paper-II
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

प्रस्तावना –

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मित है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगिण ज्ञान अपरिहार्य है।
भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाईयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर इनके अंतर संबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतदृष्टि देता है। अपितु भाषा– विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीयक साहित्यक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति, प्राचीन भारतीय एवं अघुनातन पाश्चात्य साहित्य चितन में समान रूप से लक्षणीय है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येत्तर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है। भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, स्वरूप, विविधरूपता तथा हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्स विकास और मानकीकरण का विवरण हिन्दी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्यविषय–

(क) भाषाविज्ञान

1. भाषा और भाषाविज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा– व्यवहार, भाषा–संरचना और भाषिक – प्रकार्य, भाषाविज्ञान – स्वरूप एवं व्यप्ति, *अध्ययन की दिशाएँ – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।*
2. *स्वनप्रक्रिया – स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ वागवयव और उनके कार्य, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिक परिवर्तन।*
3. व्याकरण– रूप –प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाऍ, रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंध दर्शी संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य – विश्लेषण।
4. अर्थविज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ – परिवर्तन।
5. *साहित्य और भाषाविज्ञान – साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगो की उपयोगिता।*

(ख) हिन्दी – भाषा

1. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ। *मध्यकालिन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।* आधुनिक भारतीय आर्यभाषा – समूह और उनका वर्गीकरण।
2. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
3. हिन्दी का माणिक स्वरूप– हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यव, समास। रूपरचना – लिंग, वचन और कारक – व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिन्दी वाक्य – रचना – पदक में और अन्विति।
4. हिन्दी के विविध रूप – संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राज भाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम – भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की सवैधानिक स्थिति।
5. हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ –ऑकड़ा – संसाधन और शब्द – संसाधन, *वर्तनी – शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा – शिक्षण।*
6. देवनागरी लिपि – विशेषताएँ – और मानकीकरण।

इकाई विभाजन –

इकाई –1 – भाषा और भाषाविज्ञान, स्वन – प्रक्रिया।
इकाई –2 – व्याकरण।
इकाई –3 – अर्थ विज्ञान, साहित्य और भाषाविज्ञान
इकाई –4 – हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी का भाषिक स्वरूप।
इकाई –5 – हिन्दी के विविध रूप, देवनागरी लिपि, हिन्दी में कम्प्यूटर की सुविधाएँ।

अंक विभाजन –

भाषाविज्ञान (2 आलोचनात्मक प्रश्न)	–	$2 \times 15 = 30$ अंक
हिन्दी भाषा (2 आलोचनात्मक प्रश्न)	–	$2 \times 15 = 30$ अंक
5 लघु उत्तरीय प्रश्न	–	$4 \times 5 = 20$ अंक
20 वस्तुनिष्ठ/अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	$1 \times 20 = 20$ अंक
		कुल = 100 अंक

संदर्भ ग्रंथ –

1.	भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी	–	सुनीति कुमार चटर्जी
2.	भारतीय भाषाएँ और भाषा संबंधी समस्यायें	–	
3.	हिन्दी भाषा का इतिहास	–	धीरेन्द्र वर्मा
4.	नागरी अंक और अक्षर	–	धीरेन्द्र वर्मा
5.	सामान्य भाषाविज्ञान	–	बाबूराम सक्सेना
6.	भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा	–	भोलानाथ तिवारी
7.	हिन्दी भाषाविज्ञान	–	मनमोहन गौतम (सूर्य प्रकाशन)
8.	भाषाविज्ञान के सिद्धांन और हिन्दी भाषा	–	द्वारिका प्रसाद सक्सेना (भौमर्श प्रकाशन)
9.	भाषाविज्ञान और भाषा	–	डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
10.	भाषाविज्ञान	–	देवेन्द्रनाथ शर्मा
11.	भाषा शाखा	–	उदयनारायण तिवारी
12.	हिन्दी भाषा और बोलियों का अंतर संबंध	–	सं. डॉ. सरोज मिश्रा (शांति प्रकाशन, इलाहाबाद)
13.	हिन्दी का नवीनतम बीज – व्याकरण	–	रमेशचन्द्र मेहरोत्रा एवं चितरंजनकर
14.	प्रयोजन मूलक हिन्दी	–	बालेन्दु शेखर तिवारी
15.	हिन्दी भाषा की संरचना के अभ्यास	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
16.	भारतीय साहित्य : एक शोधात्मक अध्ययन	–	डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

एम.ए. (अंतिम) हिन्दी

M.A. (Final) Hindi

प्रश्नपत्र – तृतीय

Paper-III

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

प्रस्तावना –

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं सौन्दर्यपरक और प्रयोजनपरक। भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन–व्यवहार से है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज – सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तर आधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली प्रयोजनपरक हिन्दी का अध्ययन अति अपेक्षित है। इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार या जीविका की समस्याएँ हल होगी अपितु राष्ट्र भाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा।

पाठ्य विषय :–

इकाई –1 खंड – क : कामकाजी हिन्दी

– हिन्दी के विभिन्न रूप – सर्जनात्मक भाषा, संचार – भाषा, राजभाषा, माध्यम – भाषा, मातृभाषा
– कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन टिप्पणी।
– पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली –निर्माण के सिद्धांत।
– ज्ञान – विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)

हिन्दी कंप्यूटिंग

– कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब – पर्बिलिशिंग का परिचय
– इंटरनेट संपर्क – उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख – रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र
– *वेब – पब्लिशिंग*
– *इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेटस्कोप*
– लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, *हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल,* डाउनलोडिंग व अपलोडिंग हिन्दी साफ्टवेयर, पैकेज।

इकाई – 2 खंड – ख : पत्रकारिता

– पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
– हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
– समाचार – लेखन – कला
– संपादन के आधार भूत तत्व
– *व्यावहारिक प्रूफ – शोधन*
– *शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक – संपादन, संपादकीय लेखन*
– *पृष्ठ – सज्जा*
– साक्षात्कार, पत्रकार – वार्ता एवं प्रेस – प्रबंधन
– प्रमुख प्रेस – कानून एवं आचार – संहिता

इकाई –3 खंड – ग : मीडिया – लेखन

- जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियॉ
- विभिन्न जनसंचार – माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रव्य, दृश्य – श्रव्य इंटरनेट।
- श्रव्य माध्यम (रेडियो)
  मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार – लेखन एवं वाचन। रेडियो नाटक। उद्घोषणा – लेखन। विज्ञापन – लेखन। फीचर तथा रिपोतार्ज।
- *दृश्य – श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं विडियो)*
  दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति।
  दृश्य एवं श्रव्य सामाग्री का सामंजस्य। पार्श्व वाचन (वायस आवर)।
  पटकथा लेखन – टेली – ड्रामा/डॉक्यू ड्रामा,
  संवाद – लेखन। साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण। विज्ञापन की भाषा।
- *इंटरनेट : सामग्री – सृजन (Content Creation)*

इकाई –4 खंड – घ : अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

- अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र प्रक्रिया एवं प्रविधि
- *हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका*
- कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद
- जन संचार माध्यमों का अनुवाद
- विज्ञापन में अनुवाद
- *वैचारिक – साहित्य का अनुवाद*
- वाणिज्यिक – अनुवाद
- वैज्ञानिक, तकनिकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद – विधि – साहित्य की हिन्दी और अनुवाद, व्यवहारिक अनुवाद अभ्यास
- कार्यालयी अनुवाद : कार्यालयी एवं प्रशासनिक, शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग आदि
- *पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद*
- बैंक – साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
- विधि – साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
- *साहित्यिक –अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार :कविता, कहानी, नाटक।*
- *सारानुवाद*
- दुभाषिया प्रविधि
- *अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन*

इकाई विभाजन	**अंक विभाजन**
इकाई –1 क – कामकाजी हिन्दी व हिन्दी कम्प्युनिंग	15 अंक
इकाई –2 ख – पत्रकारिता	15 अंक
इकाई –3 ग – मीडिया लेखन	15 अंक
इकाई –4 घ – अनुवाद	15 अंक
इकाई –5 – लघुत्तरीय प्रश्न	5×4 = 20 अंक
इकाई –6 – 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघु उत्तरीय प्रश्न	20×1= 20 अंक
	कुल = 100 अंक

संदर्भ ग्रंथ –

1. प्रयोजनपरक हिन्दी – प्रो. सुर्यप्रसाद दीक्षित एवं सिंह (सुलभ प्रकाशन)
2. वाणिज्यिक हिन्दी – आर बी. नारायण (ज्ञानोदय प्रकाशन)
3. व्यावहारिक हिन्दी – एन.डी. पालीवाल (मानीषा प्रकाशन, दिल्ली)
4. प्रशानिक हिन्दी – पुष्पा कुमारी (क्लासिकल पब्लिक कम्पनी)
5. अच्छी हिन्दी – रामचन्द्र वर्मा
6. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – डॉ. चन्द्र कुमार (क्लासिकल पब्लिक कम्पनी)
7. बैंकिंग हिन्दी पत्राचार, स्वरूप एवं सम्प्रेषण – डॉ. निश्चल एवं सिंह (किताब घर, नई दिल्ली)

8.	पत्रकारिता के छ दशक	– जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी (साहित्य संगम, इलाहाबाद)
9.	हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास	– अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)
10.	पत्रिका संपादन कला	– डॉ. रामचन्द्र तिवारी (आलेख प्रकाशन)
11.	हिन्दी पत्रकारिता	– कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन)
12.	भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबन्ध	– डॉ. सुकमाल जैन, म.प्र. हि.ग्र.अ.
13.	जनमाध्यम और पत्रकारिता	– प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
14.	पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम	– डॉ. संजीव भानानत (यू.प्र. रायपुर)
15.	वृहद् हिन्दी पत्र–पत्रिका कोश	– सुर्य प्रसाद दीक्षित
16.	पत्रकारिता संदर्भ कोश	– डॉ. सुधीन्द्र, डॉ. रामप्रकाश (वाणी प्रकाशन)
17.	पत्रकारिता के विविध आयाम	– वेद प्रताप वैदिक
18.	जनमाध्यम और पत्रकारिता	– डॉ. प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
19.	दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग	– डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
20.	कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग	– विजय मल्होत्रा (वाणी प्रकाशन)
21.	कम्प्यूटर एप्लीकेशन	– गौरव अग्रवाल (शिव प्रकाशन)
22.	कम्प्यूटर – क्या, क्यों और कैसे	– रामवंशल विश्वविद्याचार्य (वाणी प्रकाशन)
23.	अनुवाद के सिद्धांत	– सुरेश कुमार
24.	अनुवाद सिद्धांत की रूप रेखा	– सुरेश कुमार
25.	अनुवाद बोध	– डॉ. गार्गीगुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली)
26.	साहित्यानुवाद – संवाद और संवेदना	– डॉ. आरसू (वाणी प्रकाशन)
27.	हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद	– आलोक रस्तोगी (सुमीत प्रकाशन)
28.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	– (स.) डॉ. चितरंजन कर एवं डॉ. सुधीर शर्मा

एम.ए. (अंतिम) हिन्दी
M.A. (Final) Hindi
प्रश्नपत्र - चतुर्थ
Paper-IV
भारतीय साहित्य

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

प्रस्तावना –

भारतीय भाषाओं में हिन्दी भाषा और साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए हिन्दी साहित्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर तथा प्रशस्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। एक समेकित भारतीय साहित्य की रूपरचना के लिए हिन्दी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिन्दी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। तभी उनके ज्ञान क्षितिज एवं सांस्कृतिक दृष्टि का विकास होगा। यही नहीं, इससे हिन्दी – अध्ययन का अंतरंग विस्तार भी होगा। इस प्रश्नपत्र के चार खंड होंगे। प्रत्येक खंड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

पाठ्य विषय–

प्रथम खंड

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भातीय साहित्य में आज के भारत की बिंब
4. भारतीयता का समाज शास्त्र
5. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

द्वितीय खंड

इसके अंतर्गत हिन्दीतर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जो तीन वर्गों में विभाजित है–

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग में मलयालम,
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बँगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

निर्देश–

1. प्रत्येक विद्यार्थी इन तीन विकल्पों में से एक भाषा का चयन करेगा, बशर्ते, बशर्ते वह भाषा उसकी अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो।
2. विद्यार्थी एक भाषा–वर्ग (मलयालम/बँगाली/मराठी) में से किसी एक के साहित्य के इतिहास का अध्ययन करेगा।

तृतीय खंड–

इस खंड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। इसमें द्वितीय खंड में निर्धारित किसी एक हिन्दीतर भाषा साहित्य के साथ हिन्दी को जोड़कर अध्ययन करना होगा।

चतुर्थ खंड–

इसके अंतर्गत एक उपन्यास, एक कविता संग्रह, एक नाटक का आलोचनात्मक अध्ययन किया जायेगा। प्रश्न आलोचनात्मक पूछे जाएंगे। तीनों विधाओं पर एक–एक प्रश्न पूछे जाएंगे। तीनों प्रश्नों में समान रूप से 5–5 अंक रखे जाएंगे।

उपन्यास	–	अग्निगर्भ (बंगला – महाश्वेता देवी)
कविता संग्रह	–	कोच्चि के दरख्त (मलयालम – के. जी. शंकरपिल्लै)
नाटक	–	हयवदन (गिरीश कर्नाड)

इकाई विभाजन–			**अंक विभाजन**
इकाई–1	खंड एक	–	15 अंक
इकाई–2	खंड दो	–	15 अंक
इकाई–3	खंड तीन	–	15 अंक
इकाई–4	खंड चार	–	15 अंक
इकाई–5	लघूत्तरीय प्रश्न (5×4)	–	20 अंक
इकाई–6	वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघु उत्तरीय प्रश्न (20×1)	–	20 अंक
		कुल –	**100 अंक**

पाठ्य पुस्तक –

उपन्यास

1. अग्नि गर्भ (बंगला) – महाश्वेता देवी (मूल्य 125 रू. प्रकाशक – किताब क्लब, राधाकृष्ण प्रकाशन)

कविता

1. कोच्चि के दरख्त (मलयालम) के. जी. शंकरपिल्लै (प्रकाशक – वाणी प्रकाशन 21 ए, नई दिल्ली दरियागंज)

नाटक

1. हयवदन (कन्नड़)– गिरीश कर्नाड़ (मूल्य 75 रू. प्रकाशक–राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली, 110002)

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. इक्कीस बंगला कहानियाँ – नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ए–5, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, 110016, मूल्य 32.001
2. समसामयिक हिन्दी कहानियाँ – डॉ. धनंजय वर्मा
3. मलयालम साहित्य – परख और पहचान, प्रो.आर. सुरेन्द्रन, हिन्दी विभाग, कालीकट, वि.वि. केरल
4. राष्ट्रीय चेतना और मलयालय साहित्य – प्रो.आर. सुरेन्द्रन, हिन्दी विभाग, कालीकट, वि.वि. केरल
5. मराठी भाषा और साहित्य 7 राज मल बोरा, प्रकाशक–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2/35 अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 110002, मूल्य 60.00 रू.।
6. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो.आर. सुरेन्द्रन, हिन्दी विभाग, कालीकट, वि.वि. केरल
7. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
8. भारतीय साहित्य कोश – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,
9. भारतीय साहित्य – सं. डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
10. भारतीय साहित्य रत्नमाला – सं. कृष्णदयाल भार्गव, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय भारत सरकार दिल्ली,
11. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
12. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास – केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली
13. भारतीय साहित्य एक शोधात्मक अध्ययन – डॉ. रामायण प्रसाद टण्डन

एम.ए. (अंतिम) हिन्दी

M.A. (Final) Hindi

प्रश्नपत्र – पंचम

Paper-V

पत्रकारिता प्रशिक्षण

Maximum Marks: 100
Minimum Passing Marks: 36

प्रस्तावना–

पत्रकारिता आज जीवन–समाज की धड़कन बन गयी है। सिमटते विश्व में स्नायु–तंतुओं के समान काम कर रही है। समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक इंटरनेट आदि में इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। साहित्य के साथ–साथ रोजगारपरकता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

नोट– विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित आदर्श पाठ्यक्रम (एकीकृत) में हिन्दी विषय में एम.ए. की कक्षा में लघुशोध–प्रबंध का प्रावधान नहीं है। व्यावसायिक प्रश्न पत्र पत्रकारिता प्रशिक्षण में 80 अंक की लिखित परीक्षा 20 अंक का प्रायोगिक कार्य होगा। प्रायोगिक कार्य में 10 आलेख प्रत्येक विद्यार्थी को तैयार करना होगा, जिसमें से कुछ आलेख प्रकाशित भी होने चाहिए, आलेख का स्वरूप किसी भी समसामित विषय पर निबंध, रिपोतार्ज, रेखाचित्र अथवा किसी सांस्कृतिक कार्यक्रम का विवरण, महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव का विवरण में होगा।

पाठ्य विषय :–

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व – समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयामा।
5. *संपादन कला के सामान्य सिद्धांत – शीर्षकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया।*
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्रैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो–पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न स्त्रोत।
9. *संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।*
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन – संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।
11. *इलेक्ट्रॉनिक मिडिया की पत्रकारिता – रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी, मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता।*
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ–सज्जा।
13. पत्रकारिता का प्रबंधन–प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा विवरण व्यवस्था।
14. भारतीय संविधान, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार।
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा।
16. *लोक–संपर्क तथा विज्ञापन।*
17. *प्रसारभारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।*
18. प्रेस – संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार–संहिता।
19. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

इकाई विभाजन–				**अंक विभाजन**
इकाई–1	6 तक		–	15 अंक
इकाई–2	7 से 12 तक		–	15 अंक
इकाई–3	13 से 19 तक		–	15 अंक
इकाई–4	5 लघु उत्तरीय प्रश्न	5×4	–	20 अंक
इकाई–5	15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघूत्तरीय प्रश्न	15×1	–	15 अंक
	प्रायोगिक कार्य		–	20 अंक
		कुल	**=**	**100 अंक**

संदर्भ सूची –

1. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, साहित्य संगम इलाहाबाद
2. पत्रिका संपादन कला – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन
3. समाचार पत्र, मुद्रण और साज–सज्जा – श्याम सुंदर शर्मा, म.प्र.हि. ग्रंथ अका.
4. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास – अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन
5. समाचार पत्र व्यवस्थापन – अनंत गोपाल शेवड़े, म.प्र. हि. ग्रंथ अका.
6. भाषायी पत्रकारिता और जनसंचार – डॉ. विष्णु पंकज, विवेक पब्लि. जयपुर
7. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
8. पत्रकारिता का परिपेक्ष्य – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, साहित्य संगम
9. हिन्दी पत्रकारित के गौरव – बांके बिहारी भटनागर, हरिवंश राय बच्चन, आत्माराम एंड सन्स दिल्ली
10. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंधन – डॉ. सुकमाल जैन
11. जनमाध्य और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान
12. हिन्दी पत्रकारिता, राष्ट्रीय नव उद्‌बोधन – डॉ. श्री पाल शर्मा, राजपाल एंड संस
13. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भनावत, युनि. प्रका. जयपुर
14. पत्रकारिता एवं प्रेस विधि – डॉ. बसंती लाल बाबे, सुविधा सा. हा. भोपाल
15. संपादन कला – डॉ. संजीव भनावत, युनि. प्रका. जयपुर
16. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार – डॉ. ठाकुर दत्त शर्मा, आलोक वाणी प्रकाशन
17. पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न – कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन
18. वृहद् हिन्दी पत्र पत्रिका कोश – सूर्य प्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन
19. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
20. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेदप्रताप वैदिक
21. पत्रकारिता के संदर्भ कोश – डॉ. सुधीन्द्र, डॉ. रामप्रकाश वाणी प्रकाशन
22. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत – श्रीकांत वर्मा
23. जन माध्यम और पत्रकारिता – डॉ. पी. दीक्षित